Jhn

Chapter 8

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Ἰησοῦς	δὲ	ἐπορεύθη	εἰς	τὸ	ὄρος	τῶν	ἐλαιῶν.
	यीशु	परन्तु	गया	को	-पर्वत	पर्वत	-के	जैतून।
	G2424	G1161	G4198	G1519	G3588	G3735	G3588	G1636

> और यीशु जैतून पर्वत पर चला गया।

2	Ὄρθρου	δὲ,	πάλιν	παρεγένετο	εἰς	τὸ	ἱερόν,	καὶ	πᾶς	ὁ	λαὸς
	भोर	परन्तु	फिर	आया	में	-मन्दिर	मन्दिर	और	सब	-लोग	लोग
	G3722	G1161	G3825	G3854	G1519	G3588	G2411	G2532	G3956	G3588	G2992

ἤρχετο	πρὸς	αὐτόν;	καὶ	καθίσας	ἐδίδασκεν	αὐτούς.
आते-थे	पास	उसके	और	बैठकर	सिखाता-था	उन्हें।
G2064	G4314	G0846	G2532	G2523	G1321	G0846

> अलख सवेरे वह फिर मन्दिर में गया। सभी लोग उसके पास आये। यीशु बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा।

3	ἄγουσιν	δὲ	οἱ	γραμματεῖς	καὶ	οἱ	Φαρισαῖοι	□πρὸς	αὐτὸν□	γυναῖκα
	लाते-हैं	परन्तु	-शास्त्री	शास्त्री	और	-फरीसी	फरीसी	पास	उसके	स्त्री
	G0071	G1161	G3588	G1122	G2532	G3588	G5330	G4314	G0846	G1135

ἐπὶ	μοιχείᾳ	κατειλημμένην,	καὶ	στήσαντες	αὐτὴν	ἐν	μέσῳ,
में	व्यभिचार	पकड़ी-गई	और	खड़ा-करके	उसे	में	बीच
G1909	G3430	G2638	G2532	G2476	G0846	G1722	G3319

> तभी यहूदी धर्मशास्त्रि और फ़रीसी लोग व्यभिचार के अपराध में एक स्त्री को वहाँ पकड़ लाये। और उसे लोगों के सामने खड़ा कर दिया।

4	λέγουσιν	αὐτῷ,	Διδάσκαλε,	αὕτη	ἡ	γυνὴ	κατείληπται	ἐπ’	αυτοφώρῳ,
	कहते-हैं	उससे	गुरु	यह	-स्त्री	स्त्री	पकड़ी-गई	में	रंगे-हाथों
	G3004	G0846	G1320	G3778	G3588	G1135	G2638	G1909	G1888

μοιχευομένη.
व्यभिचार-करते-हुए।
G3431

> और यीशु से बोले, “हे गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते रंगे हाथों पकड़ी गयी है।

5	ἐν	δὲ	τῷ	νόμῳ,	Μωϋσῆς*□	ἡμῖν	ἐνετείλατο	τὰς	τοιαύτας	λιθάζειν;
	में	परन्तु	-व्यवस्था	व्यवस्था	मूसा	हमें	आज्ञा-दी	-ऐसी	ऐसी	पत्थरवाह-करने।
	G1722	G1161	G3588	G3551	G3475	G1473	G1781	G3588	G5108	G3034

σὺ	οὖν	τί	λέγεις?
तू	तो	क्या	कहता-है?
G4771	G3767	G5101	G3004

> मूसा का विधान हमें आज्ञा देता है कि ऐसी स्त्री को पत्थर मारने चाहियें। अब बता तेरा क्या कहना है?”

6	τοῦτο	δὲ	ἔλεγον,	πειράζοντες	αὐτόν	ἵνα	ἔχωσιν	κατηγορεῖν	αὐτοῦ.	ὁ
	यह	परन्तु	कहते-थे	परखते-हुए	उसे	कि	पाएँ	दोष-लगाने	उसपर।	-यीशु
	G3778	G1161	G3004	G3985	G0846	G2443	G2192	G2723	G0846	G3588

δὲ	Ἰησοῦς,	κάτω	κύψας,	τῷ	δακτύλῳ	κατέγραφεν	εἰς	τὴν	γῆν.
परन्तु	यीशु	नीचे	झुककर	-उँगली-से	उँगली-से	लिखता-था	पर	-भूमि	भूमि।
G1161	G2424	G2736	G2955	G3588	G1147	G1125	G1519	G3588	G1093

> यीशु को जाँचने के लिये यह पूछ रहे थे ताकि उन्हें कोई ऐसा बहाना मिल जाये जिससे उसके विरुद्ध कोई अभियोग लगाया जा सके। किन्तु यीशु नीचे झुका और अपनी उँगली से धरती पर लिखने लगा।

7	ὡς	δὲ	ἐπέμενον	ἐρωτῶντες	αὐτόν,	ἀνέκυψεν	καὶ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Ὁ
	जब	परन्तु	लगे-रहे	पूछते-हुए	उससे	सीधा-हुआ	और	कहा	उनसे	जो
	G5613	G1161	G1961	G2065	G0846	G0352	G2532	G3004	G0846	G3588

ἀναμάρτητος	ὑμῶν,	πρῶτος	□τὸν□	λίθον□	«ἐπ'	αὐτῇ	βαλέτω».
निष्पाप	तुममें	पहला	-पत्थर	पत्थर	पर	उसपर	फेंके।
G0361	G4771	G4413	G3588	G3037	G1909	G0846	G0906

> क्योंकि वे पूछते ही जा रहे थे इसलिये यीशु सीधा तन कर खड़ा हो गया और उनसे बोला, “तुम में से जो पापी नहीं है वही सबसे पहले इस औरत को पत्थर मारे।”

8	καὶ	πάλιν	κάτω¦κύψας,	ἔγραφεν	εἰς	τὴν	γῆν.
	और	फिर	नीचे-झुककर	लिखता-था	पर	-भूमि	भूमि।
	G2532	G3825	G2955	G1125	G1519	G3588	G1093

> और वह फिर झुककर धरती पर लिखने लगा।

9	οἱ	δὲ	ἀκούσαντες,	□καὶ	ὑπὸ	τῆς	συνειδήσεως	ἐλεγχόμενοι□,	ἐξήρχοντο
	-वे	परन्तु	सुनकर	और	द्वारा	-अन्तःकरण	अन्तःकरण	धिक्कारे-जाते-हुए	निकलते-गए
	G3588	G1161	G0191	G2532	G5259	G3588	G4893	G1651	G1831

εἷς	καθ‿	εἷς,	ἀρξάμενοι	ἀπὸ	τῶν	πρεσβυτέρων	□ἕως	τῶν	ἐσχάτων□,	καὶ
एक	एक-करके	एक	आरम्भ-करके	से	-बड़ों	बड़ों	तक	-छोटों	छोटों	और
G1520	G2596	G1520	G0756	G0575	G3588	G4245	G2193	G3588	G2078	G2532

κατελείφθη	μόνος,	□ὁ	Ἰησοῦς□	καὶ	ἡ	γυνὴ	ἐν	μέσῳ	οὖσα.
छोड़-दिया-गया	अकेला	-यीशु	यीशु	और	-स्त्री	स्त्री	में	बीच	थी।
G2641	G3441	G3588	G2424	G2532	G3588	G1135	G1722	G3319	G1510

> जब लोगों ने यह सुना तो सबसे पहले बूढ़े लोग और फिर और भी एक-एक करके वहाँ से खिसकने लगे और इस तरह वहाँ अकेला यीशु ही रह गया। यीशु के सामने वह स्त्री अब भी खड़ी थी।

10	ἀνακύψας	δὲ	ὁ	Ἰησοῦς,	□καὶ	μηδένα	θεασάμενος,	πλὴν	τῆς	γυναικὸς□,
	सीधे-होकर	परन्तु	-यीशु	यीशु	और	किसी-को	देखकर	सिवाय	-स्त्री	स्त्री-के
	G0352	G1161	G3588	G2424	G2532	G3367	G2300	G4133	G3588	G1135

εἶπεν	αὐτῇ,	□Ἡ□	γύναι,	ποῦ	εἰσιν	□ἐκεῖνοι	οἱ	κατήγοροί	σου□?	οὐδείς
कहा	उससे	हे	स्त्री	कहाँ	हैं	वे	-दोष-लगानेवाले	दोष-लगानेवाले	तेरे?	किसी-ने
G3004	G0846	G3588	G1135	G4226	G1510	G1565	G3739	G2725	G4771	G3762

σε	κατέκρινεν?
तुझे	दोषी-ठहराया?
G4771	G2632

> यीशु खड़ा हुआ और उस स्त्री से बोला, “हे स्त्री, वे सब कहाँ गये? क्या तुम्हें किसी ने दोषी नहीं ठहराया?”

11	ἡ	δὲ	εἶπεν,	Οὐδείς,	κύριε.	εἶπεν	δὲ	□αὐτῇ□	ὁ	Ἰησοῦς,	Οὐδὲ	ἐγώ
	-उसने	परन्तु	कहा	किसी-ने-नहीं	प्रभु।	कहा	परन्तु	उससे	-यीशु	यीशु	न	मैं
	G3588	G1161	G3004	G3762	G2962	G3004	G1161	G0846	G3588	G2424	G3761	G1473

σε	κατακρίνω;	πορεύου,	καὶ	[ἀπὸ	τοῦ	νῦν]	μηκέτι	ἁμάρτανε.
तुझे	दोषी-ठहराता।	जा	और	से	-अब	अब	फिर	पाप-मत-कर।
G4771	G2632	G4198	G2532	G0575	G3588	G3568	G3371	G0264

> स्त्री बोली, “हे, महोदय! किसी ने नहीं।” यीशु ने कहा, “मैं भी तुम्हें दण्ड नहीं दूँगा। जाओ और अब फिर कभी पाप मत करना।”

12	Πάλιν	οὖν	αὐτοῖς	ἐλάλησεν	ὁ	Ἰησοῦς,	λέγων,	Ἐγώ	εἰμι	τὸ	φῶς	τοῦ
	फिर	तो	उनसे	बोला	-यीशु	यीशु	कहते-हुए	मैं	हूँ	-ज्योति	ज्योति	-के
	G3825	G3767	G0846	G2980	G3588	G2424	G3004	G1473	G1510	G3588	G5457	G3588

κόσμου;	ὁ	ἀκολουθῶν	ἐμοὶ	οὐ	μὴ	περιπατήσῃ	ἐν	τῇ	σκοτίᾳ,	ἀλλ’
संसार।	जो	अनुसरण-करता	मेरा	नहीं	कभी	चलेगा	में	-अन्धकार	अन्धकार	परन्तु
G2889	G3588	G0190	G1473	G3756	G3361	G4043	G1722	G3588	G4653	G0235

ἕξει	τὸ	φῶς	τῆς	ζωῆς.
पाएगा	-ज्योति	ज्योति	-के	जीवन।
G2192	G3588	G5457	G3588	G2222

> फिर वहाँ उपस्थित लोगों से यीशु ने कहा, “मैं जगत का प्रकाश हूँ। जो मेरे पीछे चलेगा कभी अँधेरे में नहीं रहेगा। बल्कि उसे उस प्रकाश की प्राप्ति होगी जो जीवन देता है।”

13	εἶπον	οὖν	αὐτῷ	οἱ	Φαρισαῖοι,	Σὺ	περὶ	σεαυτοῦ	μαρτυρεῖς;	ἡ
	कहा	तो	उससे	-फरीसियों-ने	फरीसियों-ने	तू	विषय-में	अपने-आप	गवाही-देता-है।	-गवाही
	G3004	G3767	G0846	G3588	G5330	G4771	G4012	G4572	G3140	G3588

μαρτυρία	σου	οὐκ	ἔστιν	ἀληθής.
गवाही	तेरी	नहीं	है	सच्ची।
G3141	G4771	G3756	G1510	G0227

> इस पर फ़रीसी उससे बोले, “तू अपनी साक्षी अपने आप दे रहा है, इसलिये तेरी साक्षी उचित नहीं है।”

14	ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς	καὶ	εἶπεν	αὐτοῖς,	Κἂν	ἐγὼ	μαρτυρῶ	περὶ	ἐμαυτοῦ,
	उत्तर-दिया	यीशु-ने	और	कहा	उनसे	यदि	मैं	गवाही-देता-हूँ	विषय-में	अपने-आप
	G0611	G2424	G2532	G3004	G0846	G2579	G1473	G3140	G4012	G1683

ἀληθής	ἐστιν	ἡ	μαρτυρία	μου,	ὅτι	οἶδα	πόθεν	ἦλθον	καὶ	ποῦ	ὑπάγω.
सच्ची	है	-गवाही	गवाही	मेरी	क्योंकि	जानता-हूँ	कहाँ-से	आया	और	कहाँ	जाता-हूँ।
G0227	G1510	G3588	G3141	G1473	G3754	G1492	G4159	G2064	G2532	G4226	G5217

ὑμεῖς	δὲ	οὐκ	οἴδατε	πόθεν	ἔρχομαι	ἢ	ποῦ	ὑπάγω.
तुम	परन्तु	नहीं	जानते	कहाँ-से	आता-हूँ	या	कहाँ	जाता-हूँ।
G4771	G1161	G3756	G1492	G4159	G2064	G2228	G4226	G5217

> उत्तर में यीशु ने उनसे कहा, “यदि मैं अपनी साक्षी स्वयं अपनी तरफ से दे रहा हूँ तो भी मेरी साक्षी उचित है क्योंकि मैं यह जानता हूँ कि मैं कहाँ से आया हूँ और कहाँ जा रहा हूँ। किन्तु तुम लोग यह नहीं जानते कि मैं कहाँ से आया हूँ और कहाँ जा रहा हूँ।

15	ὑμεῖς	κατὰ	τὴν	σάρκα	κρίνετε;	ἐγὼ	οὐ	κρίνω	οὐδένα.
	तुम	अनुसार	-शरीर	शरीर	न्याय-करते-हो।	मैं	नहीं	न्याय-करता	किसी-का।
	G4771	G2596	G3588	G4561	G2919	G1473	G3756	G2919	G3762

> तुम लोग इंसानी सिद्धान्तों पर न्याय करते हो, मैं किसी का न्याय नहीं करता।

16	καὶ	ἐὰν	κρίνω	δὲ	ἐγώ,	ἡ	κρίσις	ἡ	ἐμὴ	ἀληθινή	ἐστιν,	ὅτι
	और	यदि	न्याय-करता-हूँ	परन्तु	मैं	-न्याय	न्याय	-मेरा	मेरा	सच्चा	है	क्योंकि
	G2532	G1437	G2919	G1161	G1473	G3588	G2920	G3588	G1699	G0228	G1510	G3754

μόνος	οὐκ	εἰμί,	ἀλλ’	ἐγὼ	καὶ	ὁ	πέμψας	με,	‹πατήρ›.
अकेला	नहीं	हूँ	परन्तु	मैं	और	-भेजनेवाला	भेजनेवाला	मुझे	पिता।
G3441	G3756	G1510	G0235	G1473	G2532	G3588	G3992	G1473	G3962

> किन्तु यदि मैं न्याय करूँ भी तो मेरा न्याय उचित होगा। क्योंकि मैं अकेला नहीं हूँ बल्कि परम पिता, जिसने मुझे भेजा है वह और मैं मिलकर न्याय करते हैं।

17											
	καὶ	ἐν	τῷ	νόμῳ	δὲ	τῷ	ὑμετέρῳ	γέγραπται	ὅτι,	δύο	ἀνθρώπων
	और	में	–व्यवस्था	व्यवस्था	परन्तु	–तुम्हारी	तुम्हारी	लिखा–है	कि	दो	मनुष्यों
	G2532	G1722	G3588	G3551	G1161	G3588	G5212	G1125	G3754	G1417	G0444

ἡ	μαρτυρία	ἀληθής	ἐστιν.
–गवाही	गवाही	सच्ची	है।
G3588	G3141	G0227	G1510

> तुम्हारे विधान में लिखा है कि दो व्यक्तियों की साक्षी न्याय संगत है।

18										
	ἐγώ	εἰμι	ὁ	μαρτυρῶν	περὶ	ἐμαυτοῦ,	καὶ	μαρτυρεῖ	περὶ	ἐμοῦ
	मैं	हूँ	–गवाही–देनेवाला	गवाही–देनेवाला	विषय–में	अपने–आप	और	गवाही–देता–है	विषय–में	मेरे
	G1473	G1510	G3588	G3140	G4012	G1683	G2532	G3140	G4012	G1473

ὁ	πέμψας	με	Πατήρ.
–भेजनेवाला	भेजनेवाला	मुझे	पिता।
G3588	G3992	G1473	G3962

> मैं अपनी साक्षी स्वयं देता हूँ और परम पिता भी, जिसने मुझे भेजा है, मेरी ओर से साक्षी देता है।”

19												
	ἔλεγον	οὖν	αὐτῷ,	Ποῦ	ἐστιν	ὁ	Πατήρ	σου?	ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς,	Οὔτε	ἐμὲ
	कहते–थे	तो	उससे	कहाँ	है	–पिता	पिता	तेरा?	उत्तर–दिया	यीशु–ने	न	मुझे
	G3004	G3767	G0846	G4226	G1510	G3588	G3962	G4771	G0611	G2424	G3777	G1473

οἴδατε,	οὔτε	τὸν	Πατέρα	μου.	εἰ	ἐμὲ	ᾔδειτε,	καὶ	τὸν	Πατέρα	μου
जानते–हो	न	–पिता	पिता	मेरे।	यदि	मुझे	जानते	और	–पिता	पिता	मेरे
G1492	G3777	G3588	G3962	G1473	G1487	G1473	G1492	G2532	G3588	G3962	G1473

ἂν	ᾔδειτε.
भी	जानते।
G0302	G1492

> इस पर लोगों ने उससे कहा, “तेरा पिता कहाँ है?” यीशु ने उत्तर दिया, “न तो तुम मुझे जानते हो, और न मेरे पिता को। यदि तुम मुझे जानते, तो मेरे पिता को भी जान लेते।”

20										
	Ταῦτα	τὰ	ῥήματα	ἐλάλησεν	ἐν	τῷ	γαζοφυλακίῳ,	διδάσκων	ἐν	τῷ
	ये	–वचन	वचन	बोले	में	–भण्डार–घर	भण्डार–घर	सिखाते–हुए	में	–मन्दिर
	G3778	G3588	G4487	G2980	G1722	G3588	G1049	G1321	G1722	G3588

ἱερῷ;	καὶ	οὐδεὶς	ἐπίασεν	αὐτόν,	ὅτι	οὔπω	ἐληλύθει	ἡ	ὥρα	αὐτοῦ.
मन्दिर।	और	किसी–ने	पकड़ा	उसे	क्योंकि	अभी–तक	आई–नहीं–थी	–घड़ी	घड़ी	उसकी।
G2411	G2532	G3762	G4084	G0846	G3754	G3768	G2064	G3588	G5610	G0846

> मन्दिर में उपदेश देते हुए, भेंट-पात्रों के पास से उसने ये शब्द कहे थे। किन्तु किसी ने भी उसे बंदी नहीं बनाया क्योंकि उसका समय अभी नहीं आया था।

21												
	Εἶπεν	οὖν	πάλιν	αὐτοῖς,	Ἐγὼ	ὑπάγω	καὶ	ζητήσετέ	με,	καὶ	ἐν	τῇ
	कहा	तो	फिर	उनसे	मैं	जाता–हूँ	और	ढूँढोगे	मुझे	और	में	–पाप
	G3004	G3767	G3825	G0846	G1473	G5217	G2532	G2212	G1473	G2532	G1722	G3588

ἁμαρτίᾳ	ὑμῶν	ἀποθανεῖσθε;	ὅπου	ἐγὼ	ὑπάγω,	ὑμεῖς	οὐ	δύνασθε	ἐλθεῖν.
पाप	तुम्हारे	मरोगे।	जहाँ	मैं	जाता–हूँ	तुम	नहीं	सकते	आ।
G0266	G4771	G0599	G3699	G1473	G5217	G4771	G3756	G1410	G2064

> यीशु ने उनसे एक बार फिर कहा, “मैं चला जाऊँगा और तुम लोग मुझे ढूँढोगे। पर तुम अपने ही पापों में मर जाओगे। जहाँ मैं जा रहा हूँ तुम वहाँ नहीं आ सकते।”

22	ἔλεγον	οὖν	οἱ	Ἰουδαῖοι,	Μήτι	ἀποκτενεῖ	ἑαυτὸν,	ὅτι	λέγει,	Ὅπου	ἐγὼ
	कहते–थे	तो	–यहूदी	यहूदी	क्या	मार–डालेगा	अपने–आपको	क्योंकि	कहता–है	जहाँ	मैं
	G3004	G3767	G3588	G2453	G3385	G0615	G1438	G3754	G3004	G3699	G1473
	ὑπάγω	ὑμεῖς,	οὐ	δύνασθε	ἐλθεῖν?						
	जाता–हूँ	तुम	नहीं	सकते	आ?						
	G5217	G4771	G3756	G1410	G2064						

> फिर यहूदी नेता कहने लगे, "क्या तुम सोचते हो कि वह आत्महत्या करने वाला है? क्योंकि उसने कहा है तुम वहाँ नहीं आ सकते जहाँ मैं जा रहा हूँ।"

23	καὶ	ἔλεγεν	αὐτοῖς,	Ὑμεῖς	ἐκ	τῶν	κάτω	ἐστέ,	ἐγὼ	ἐκ	τῶν	ἄνω	εἰμί;
	और	कहता–था	उनसे	तुम	से	–नीचे	नीचे	हो	मैं	से	–ऊपर	ऊपर	हूँ।
	G2532	G3004	G0846	G4771	G1537	G3588	G2736	G1510	G1473	G1537	G3588	G0507	G1510
	ὑμεῖς	ἐκ	τούτου	τοῦ	κόσμου	ἐστέ,	ἐγὼ	οὐκ	εἰμὶ	ἐκ	τοῦ	κόσμου	
	तुम	से	इस	–संसार	संसार	हो	मैं	नहीं	हूँ	से	–इस	संसार	
	G4771	G1537	G3778	G3588	G2889	G1510	G1473	G3756	G1510	G1537	G3588	G2889	
	τούτου.												
	इस।												
	G3778												

> इस पर यीशु ने उनसे कहा, "तुम नीचे के हो और मैं ऊपर से आया हूँ। तुम सांसारिक हो और मैं इस जगत से नहीं हूँ।

24	εἶπον	οὖν	ὑμῖν	ὅτι	ἀποθανεῖσθε	ἐν	ταῖς	ἁμαρτίαις	ὑμῶν;	ἐὰν	γὰρ
	कहा	तो	तुमसे	कि	मरोगे	में	–पापों	पापों	तुम्हारे।	यदि	क्योंकि
	G3004	G3767	G4771	G3754	G0599	G1722	G3588	G0266	G4771	G1437	G1063
	μὴ	πιστεύσητε	ὅτι	ἐγώ	εἰμι,	ἀποθανεῖσθε	ἐν	ταῖς	ἁμαρτίαις	ὑμῶν.	
	नहीं	विश्वास–करोगे	कि	मैं	हूँ	मरोगे	में	–पापों	पापों	तुम्हारे।	
	G3361	G4100	G3754	G1473	G1510	G0599	G1722	G3588	G0266	G4771	

> इसलिये मैंने तुमसे कहा था कि तुम अपने पापों में मरोगे। यदि तुम विश्वास नहीं करते कि वह मैं हूँ, तुम अपने पापों में मरोगे।"

25	ἔλεγον	οὖν	αὐτῷ,	Σὺ	τίς	εἶ?	εἶπεν	αὐτοῖς	ὁ	Ἰησοῦς,	Τὴν	ἀρχὴν
	कहते–थे	तो	उससे	तू	कौन	है?	कहा	उनसे	–यीशु	यीशु	–जो	आरम्भ–से
	G3004	G3767	G0846	G4771	G5101	G1510	G3004	G0846	G3588	G2424	G3588	G0746
	ὅ¦τι	καὶ	λαλῶ	ὑμῖν.								
	जो	भी	बोलता–हूँ	तुमसे।								
	G3754	G2532	G2980	G4771								

> फिर उन्होंने यीशु से पूछा, "तू कौन है?" यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "मैं वही हूँ जैसा कि प्रारम्भ से ही मैं तुमसे कहता आ रहा हूँ।

26	πολλὰ	ἔχω	περὶ	ὑμῶν	λαλεῖν,	καὶ	κρίνειν;	ἀλλ'	ὁ	πέμψας	με	
	बहुत	है–मुझे	विषय–में	तुम्हारे	बोलने–को	और	न्याय–करने–को।	परन्तु	–भेजनेवाला	भेजनेवाला	मुझे	
	G4183	G2192	G4012	G4771	G2980	G2532	G2919	G0235	G3588	G3992	G1473	
	ἀληθής	ἐστιν,	κἀγὼ	ἃ	ἤκουσα	παρ'	αὐτοῦ,	ταῦτα	λαλῶ	εἰς	τὸν	κόσμον.
	सच्चा	है	और–मैं	जो	सुना	से	उससे	वही	बोलता–हूँ	को	–संसार	संसार।
	G0227	G1510	G2504	G3739	G0191	G3844	G0846	G3778	G2980	G1519	G3588	G2889

> तुमसे कहने को और तुम्हारा न्याय करने को मेरे पास बहुत कुछ है। पर सत्य वही है जिसने मुझे भेजा है। मैं वही कहता हूँ जो मैंने उससे सुना है।"

27	οὐκ	ἔγνωσαν	ὅτι	τὸν	Πατέρα	αὐτοῖς	ἔλεγεν.
	नहीं	समझे	कि	–पिता	पिता	उनसे	कहता–था।
	G3756	G1097	G3754	G3588	G3962	G0846	G3004

> वे यह नहीं जान पाये कि यीशु उन्हें परम पिता के बारे में बता रहा है।

28 εἶπεν οὖν [αὐτοῖς] ὁ Ἰησοῦς, Ὅταν ὑψώσητε τὸν Υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου,
कहा तो उनसे -यीशु यीशु जब ऊँचा-करोगे -पुत्र पुत्र -के मनुष्य
G3004 G3767 G0846 G3588 G2424 G3752 G5312 G3588 G5207 G3588 G0444

τότε γνώσεσθε ὅτι ἐγώ εἰμι, καὶ ἀπ’ ἐμαυτοῦ ποιῶ οὐδέν, ἀλλὰ καθὼς
तब जानोगे कि मैं हूँ और से अपने-आप करता-हूँ कुछ-नहीं परन्तु जैसे
G5119 G1097 G3754 G1473 G1510 G2532 G0575 G1683 G4160 G3762 G0235 G2531

ἐδίδαξέν με ὁ Πατὴρ, ταῦτα λαλῶ.
सिखाया मुझे -पिता पिता वही बोलता-हूँ।
G1321 G1473 G3588 G3962 G3778 G2980

> फिर यीशु ने उनसे कहा, “जब तुम मनुष्य के पुत्र को ऊँचा उठा लोगे तब तुम जानोगे कि वह मैं हूँ। मैं अपनी ओर से कुछ नहीं करता। मैं यह जो कह रहा हूँ, वही है जो मुझे परम पिता ने सिखाया है।

29 καὶ ὁ πέμψας με, μετ’ ἐμοῦ ἐστιν; οὐκ ἀφῆκέν με μόνον, ὅτι
और -भेजनेवाला भेजनेवाला मुझे साथ मेरे है। नहीं छोड़ा मुझे अकेला क्योंकि
G2532 G3588 G3992 G1473 G3326 G1473 G1510 G3756 G0863 G1473 G3441 G3754

ἐγὼ τὰ ἀρεστὰ αὐτῷ ποιῶ πάντοτε.
मैं -जो जो-भला उसे करता-हूँ सदा।
G1473 G3588 G0701 G0846 G4160 G3842

> और वह जिसने मुझे भेजा है, मेरे साथ है। उसने मुझे कभी अकेला नहीं छोड़ा क्योंकि मैं सदा वही करता हूँ जो उसे भाता है।”

30 Ταῦτα αὐτοῦ λαλοῦντος, πολλοὶ ἐπίστευσαν εἰς αὐτόν.
ये उसके बोलते-हुए बहुतों-ने विश्वास-किया पर उसपर।
G3778 G0846 G2980 G4183 G4100 G1519 G0846

> यीशु जब ये बातें कह रहा था, तो बहुत से लोग उसके विश्वासी हो गये।

31 Ἔλεγεν οὖν ὁ Ἰησοῦς πρὸς τοὺς πεπιστευκότας αὐτῷ Ἰουδαίους, Ἐὰν
कहता-था तो -यीशु यीशु से -उन विश्वास-करनेवाले उसपर यहूदियों-से यदि
G3004 G3767 G3588 G2424 G4314 G3588 G4100 G0846 G2453 G1437

ὑμεῖς μείνητε ἐν τῷ λόγῳ τῷ ἐμῷ, ἀληθῶς μαθηταί μού ἐστε.
तुम बने-रहो में -वचन वचन -मेरे मेरे सचमुच चेले मेरे हो।
G4771 G3306 G1722 G3588 G3056 G3588 G1699 G0230 G3101 G1473 G1510

> सो यीशु उन यहूदी नेताओं से कहने लगा जो उसमें विश्वास करते थे, “यदि तुम लोग मेरे उपदेशों पर चलोगे तो तुम वास्तव में मेरे अनुयायी बनोगे।

32 καὶ γνώσεσθε τὴν ἀλήθειαν, καὶ ἡ ἀλήθεια ἐλευθερώσει ὑμᾶς.
और जानोगे -सत्य सत्य और -सत्य सत्य स्वतन्त्र-करेगा तुम्हें।
G2532 G1097 G3588 G0225 G2532 G3588 G0225 G1659 G4771

> और सत्य को जान लोगे। और सत्य तुम्हें मुक्त करेगा।”

33 ἀπεκρίθησαν πρὸς αὐτόν, Σπέρμα Ἀβραάμ ἐσμεν, καὶ οὐδενὶ δεδουλεύκαμεν
उत्तर-दिया से उसको वंश इब्राहीम-के हैं और किसी-के दास-नहीं-रहे
G0611 G4314 G0846 G4690 G0011 G1510 G2532 G3762 G1398

πώποτε; πῶς σὺ λέγεις ὅτι, Ἐλεύθεροι γενήσεσθε?
कभी। कैसे तू कहता-है कि स्वतन्त्र हो-जाओगे?
G4455 G4459 G4771 G3004 G3754 G1658 G1096

> इस पर उन्होंने यीशु से प्रश्न किया, “हम इब्राहीम के वंशज हैं और हमने कभी किसी की दासता नहीं की। फिर तुम कैसे कहते हो कि तुम मुक्त हो जाओगे?”

34

ἀπεκρίθη	αὐτοῖς	ὁ	Ἰησοῦς,	Ἀμὴν	ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	πᾶς	ὁ
उत्तर-दिया	उनको	-यीशु	यीशु	सच-सच	सच-सच	कहता-हूँ	तुमसे	कि	हर-एक	जो
G0611	G0846	G3588	G2424	G0281	G0281	G3004	G4771	G3754	G3956	G3588

ποιῶν	τὴν	ἁμαρτίαν,	δοῦλός	ἐστιν	τῆς	ἁμαρτίας.
करता-है	-पाप	पाप	दास	है	-के	पाप।
G4160	G3588	G0266	G1401	G1510	G3588	G0266

> यीशु ने उत्तर देते हुए कहा, “मैं तुमसे सत्य कहता हूँ। हर वह जो पाप करता रहता है, पाप का दास है।

35

ὁ	δὲ	δοῦλος	οὐ	μένει	ἐν	τῇ	οἰκίᾳ	εἰς	τὸν	αἰῶνα;	ὁ	υἱὸς
-दास	परन्तु	दास	नहीं	रहता	में	-घर	घर	तक	-सदा।	सदा।	-पुत्र	पुत्र
G3588	G1161	G1401	G3756	G3306	G1722	G3588	G3614	G1519	G3588	G0165	G3588	G5207

μένει	εἰς	τὸν	αἰῶνα.
रहता-है	तक	-सदा	सदा।
G3306	G1519	G3588	G0165

> और कोई दास सदा परिवार के साथ नहीं रह सकता। केवल पुत्र ही सदा साथ रह सकता है।

36

ἐὰν	οὖν	ὁ	Υἱὸς	ὑμᾶς	ἐλευθερώσῃ,	ὄντως	ἐλεύθεροι	ἔσεσθε.
यदि	तो	-पुत्र	पुत्र	तुम्हें	स्वतन्त्र-करे	वास्तव-में	स्वतन्त्र	होगे।
G1437	G3767	G3588	G5207	G4771	G1659	G3689	G1658	G1510

> अतः यदि पुत्र तुम्हें मुक्त करता है तभी तुम वास्तव में मुक्त हो। मैं जानता हूँ तुम इब्राहीम के वंश से हो।

37

οἶδα	ὅτι	σπέρμα	Ἀβραάμ	ἐστε;	ἀλλὰ	ζητεῖτέ	με	ἀποκτεῖναι,	ὅτι	ὁ
जानता-हूँ	कि	वंश	इब्राहीम-के	हो।	परन्तु	चाहते-हो	मुझे	मार-डालना	क्योंकि	-वचन
G1492	G3754	G4690	G0011	G1510	G0235	G2212	G1473	G0615	G3754	G3588

λόγος	ὁ	ἐμὸς,	οὐ	χωρεῖ	ἐν	ὑμῖν.
वचन	-मेरा	मेरा	नहीं	समाता	में	तुम।
G3056	G3588	G1699	G3756	G5562	G1722	G4771

> पर तुम मुझे मार डालने का यत्न कर रहे हो। क्योंकि मेरे उपदेशों के लिये तुम्हारे मन में कोई स्थान नहीं है।

38

ἃ	ἐγὼ	ἑώρακα	παρὰ	τῷ	Πατρὶ,	λαλῶ;	καὶ	ὑμεῖς	οὖν	ἃ	ἠκούσατε
जो	मैंने	देखा-है	पास	-पिता	पिता-के	बोलता-हूँ।	और	तुम	भी	जो	सुना
G3739	G1473	G3708	G3844	G3588	G3962	G2980	G2532	G4771	G3767	G3739	G0191

παρὰ	τοῦ	πατρὸς,	ποιεῖτε.
से	-पिता	पिता	करते-हो।
G3844	G3588	G3962	G4160

> मैं वही कहता हूँ जो मुझे मेरे पिता ने दिखाया है और तुम वह करते हो जो तुम्हारे पिता से तुमने सुना है।”

39

ἀπεκρίθησαν	καὶ	εἶπαν	αὐτῷ,	Ὁ	πατὴρ	ἡμῶν	Ἀβραάμ	ἐστιν.	λέγει	αὐτοῖς
उत्तर-दिया	और	कहा	उससे	-पिता	पिता	हमारा	इब्राहीम	है।	कहता-है	उनसे
G0611	G2532	G3004	G0846	G3588	G3962	G1473	G0011	G1510	G3004	G0846

ὁ	Ἰησοῦς,	Εἰ	τέκνα	τοῦ	Ἀβραάμ	ἐστε,	τὰ	ἔργα	τοῦ	Ἀβραὰμ	ἐποιεῖτε;
-यीशु	यीशु	यदि	सन्तान	-के	इब्राहीम	होते	-कर्म	कर्म	-के	इब्राहीम	करते।
G3588	G2424	G1487	G5043	G3588	G0011	G1510	G3588	G2041	G3588	G0011	G4160

> इस पर उन्होंने यीशु को उत्तर दिया, “हमारे पिता इब्राहीम हैं।” यीशु ने कहा, “यदि तुम इब्राहीम की संतान होते तो तुम वही काम करते जो इब्राहीम ने किये थे।

40	νῦν	δὲ	ζητεῖτέ	με	ἀποκτεῖναι,	ἄνθρωπον	ὃς	τὴν	ἀλήθειαν	ὑμῖν
	अब	परन्तु	चाहते-हो	मुझे	मार-डालना	मनुष्य-को	जिसने	-सत्य	सत्य	तुम्हें
	G3568	G1161	G2212	G1473	G0615	G0444	G3739	G3588	G0225	G4771

λελάληκα,	ἣν	ἤκουσα	παρὰ	τοῦ	Θεοῦ.	τοῦτο	Ἀβραὰμ	οὐκ	ἐποίησεν.
बताया	जो	सुना	से	-परमेश्वर	परमेश्वर।	यह	इब्राहीम-ने	नहीं	किया।
G2980	G3739	G0191	G3844	G3588	G2316	G3778	G0011	G3756	G4160

> पर तुम तो अब मुझे यानी एक ऐसे मनुष्य को, जो तुमसे उस सत्य को कहता है जिसे उसने परमेश्वर से सुना है, मार डालना चाहते हो। इब्राहीम ने तो ऐसा नहीं किया।

41	ὑμεῖς	ποιεῖτε	τὰ	ἔργα	τοῦ	πατρὸς	ὑμῶν.	εἶπαν	[οὖν]	αὐτῷ,	Ἡμεῖς	ἐκ
	तुम	करते-हो	-कर्म	कर्म	-के	पिता	तुम्हारे।	कहा	तो	उससे	हम	से
	G4771	G4160	G3588	G2041	G3588	G3962	G4771	G3004	G3767	G0846	G1473	G1537

πορνείας	οὐ	γεγεννήμεθα;	ἕνα	Πατέρα	ἔχομεν,	τὸν	Θεόν.
व्यभिचार	नहीं	जन्मे-हैं।	एक	पिता	है-हमारा	-परमेश्वर	परमेश्वर।
G4202	G3756	G1080	G1520	G3962	G2192	G3588	G2316

> तुम अपने पिता के कार्य करते हो।" फिर उन्होंने यीशु से कहा, "हम व्यभिचार के परिणाम स्वरूप पैदा नहीं हुए हैं। हमारा केवल एक पिता है और वह है परमेश्वर।"

42	εἶπεν	αὐτοῖς	ὁ	Ἰησοῦς,	Εἰ	ὁ	Θεὸς	Πατὴρ	ὑμῶν	ἦν,	ἠγαπᾶτε	ἂν
	कहा	उनसे	-यीशु	यीशु	यदि	-परमेश्वर	परमेश्वर	पिता	तुम्हारा	होता	प्रेम-करते	ही
	G3004	G0846	G3588	G2424	G1487	G3588	G2316	G3962	G4771	G1510	G0025	G0302

ἐμέ,	ἐγὼ	γὰρ	ἐκ	τοῦ	Θεοῦ	ἐξῆλθον	καὶ	ἥκω;	οὐδὲ	γὰρ	ἀπ’
मुझसे	मैं	क्योंकि	से	-परमेश्वर	परमेश्वर	निकला	और	आया-हूँ।	न	क्योंकि	से
G1473	G1473	G1063	G1537	G3588	G2316	G1831	G2532	G2240	G3761	G1063	G0575

ἐμαυτοῦ	ἐλήλυθα,	ἀλλ’	ἐκεῖνός	με	ἀπέστειλεν.
अपने-आप	आया-हूँ	परन्तु	उसने	मुझे	भेजा।
G1683	G2064	G0235	G1565	G1473	G0649

> यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता तो तुम मुझे प्यार करते क्योंकि मैं परमेश्वर में से ही आया हूँ। और अब मैं यहाँ हूँ। मैं अपने आप से नहीं आया हूँ। बल्कि मुझे उसने भेजा है।

43	διὰ	τί	τὴν	λαλιὰν	τὴν	ἐμὴν	οὐ	γινώσκετε?	ὅτι	οὐ	δύνασθε
	क्यों	क्या	-बातें	बातें	-मेरी	मेरी	नहीं	समझते?	क्योंकि	नहीं	सकते
	G1223	G5101	G3588	G2981	G3588	G1699	G3756	G1097	G3754	G3756	G1410

ἀκούειν	τὸν	λόγον	τὸν	ἐμόν.
सुनना	-वचन	वचन	-मेरा	मेरा।
G0191	G3588	G3056	G3588	G1699

> मैं जो कह रहा हूँ उसे तुम समझते क्यों नहीं? इसका कारण यही है कि तुम मेरा संदेश नहीं सुनते।

44

ὑμεῖς	ἐκ	τοῦ	πατρὸς	τοῦ	διαβόλου	ἐστὲ,	καὶ	τὰς	ἐπιθυμίας	τοῦ
तुम	से	-पिता	पिता	-शैतान	शैतान-के	हो	और	-इच्छाओं	इच्छाओं	-के
G4771	G1537	G3588	G3962	G3588	G1228	G1510	G2532	G3588	G1939	G3588

πατρὸς	ὑμῶν	θέλετε	ποιεῖν.	ἐκεῖνος	ἀνθρωποκτόνος	ἦν	ἀπ’	ἀρχῆς,	καὶ	ἐν
पिता	तुम्हारे	चाहते-हो	करना।	वह	हत्यारा	था	से	आरम्भ	और	में
G3962	G4771	G2309	G4160	G1565	G0443	G1510	G0575	G0746	G2532	G1722

τῇ	ἀληθείᾳ	οὐκ	ἔστηκεν,	ὅτι	οὐκ	ἔστιν	ἀλήθεια	ἐν	αὐτῷ.	ὅταν	λαλῇ
-सत्य	सत्य	नहीं	स्थिर-रहा	क्योंकि	नहीं	है	सत्य	में	उसमें।	जब	बोलता-है
G3588	G0225	G3756	G4739	G3754	G3756	G1510	G0225	G1722	G0846	G3752	G2980

τὸ	ψεῦδος,	ἐκ	τῶν	ἰδίων	λαλεῖ;	ὅτι	ψεύστης	ἐστὶν,	καὶ	ὁ	πατὴρ
-झूठ	झूठ	से	-अपने	अपने	बोलता-है।	क्योंकि	झूठा	है	और	-उसका	पिता
G3588	G5579	G1537	G3588	G2398	G2980	G3754	G5583	G1510	G2532	G3588	G3962

αὐτοῦ.
उसका।
G0846

> तुम अपने पिता शैतान की संतान हो। और तुम अपने पिता की इच्छा पर चलना चाहते हो। वह प्रारम्भ से ही एक हत्यारा था। और उसने सत्य का पक्ष कभी नहीं लिया। क्योंकि उसमें सत्य का कोई अंश तक नहीं है। जब वह झूठ बोलता है तो सहज भाव से बोलता है क्योंकि वह झूठा है और सभी झूठों को जन्म देता है।

45

ἐγὼ	δὲ	ὅτι	τὴν	ἀλήθειαν	λέγω,	οὐ	πιστεύετέ	μοι!
मैं	परन्तु	क्योंकि	-सत्य	सत्य	कहता-हूँ	नहीं	विश्वास-करते	मुझपर।
G1473	G1161	G3754	G3588	G0225	G3004	G3756	G4100	G1473

> “पर क्योंकि मैं सत्य कह रहा हूँ, तुम लोग मुझमें विश्वास नहीं करोगे।

46

τίς	ἐξ	ὑμῶν	ἐλέγχει	με	περὶ	ἁμαρτίας?	εἰ	ἀλήθειαν	λέγω,	διὰ
कौन	में-से	तुममें	दोष-लगाता-है	मुझपर	विषय-में	पाप?	यदि	सत्य	कहता-हूँ	क्यों
G5101	G1537	G4771	G1651	G1473	G4012	G0266	G1487	G0225	G3004	G1223

τί	ὑμεῖς	οὐ	πιστεύετέ	μοι?
क्या	तुम	नहीं	विश्वास-करते	मुझपर?
G5101	G4771	G3756	G4100	G1473

> तुममें से कौन मुझ पर पापी होने का लांछन लगा सकता है। यदि मैं सत्य कहता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते?

47

ὁ	ὢν	ἐκ	τοῦ	Θεοῦ,	τὰ	ῥήματα	τοῦ	Θεοῦ	ἀκούει;	διὰ	τοῦτο
जो	है	से	-परमेश्वर	परमेश्वर	-वचन	वचन	-के	परमेश्वर	सुनता-है।	इसलिए	इस-कारण
G3588	G1510	G1537	G3588	G2316	G3588	G4487	G3588	G2316	G0191	G1223	G3778

ὑμεῖς	οὐκ	ἀκούετε,	ὅτι	ἐκ	τοῦ	Θεοῦ,	οὐκ	ἐστέ.
तुम	नहीं	सुनते	क्योंकि	से	-परमेश्वर	परमेश्वर	नहीं	हो।
G4771	G3756	G0191	G3754	G1537	G3588	G2316	G3756	G1510

> वह व्यक्ति जो परमेश्वर का है, परमेश्वर के वचनों को सुनता है। इसी कारण तुम मेरी बात नहीं सुनते कि तुम परमेश्वर के नहीं हो।”

48

Ἀπεκρίθησαν	οἱ	Ἰουδαῖοι	καὶ	εἶπαν	αὐτῷ,	Οὐ	καλῶς	λέγομεν	ἡμεῖς
उत्तर-दिया	-यहूदियों-ने	यहूदियों-ने	और	कहा	उससे	क्या-नहीं	ठीक	कहते-हैं	हम
G0611	G3588	G2453	G2532	G3004	G0846	G3756	G2573	G3004	G1473

ὅτι	Σαμαρίτης	εἶ	σὺ,	καὶ	δαιμόνιον	ἔχεις?
कि	सामरी	है	तू	और	दुष्टात्मा	है-तुझमें?
G3754	G4541	G1510	G4771	G2532	G1140	G2192

> उत्तर में यहूदियों ने उससे कहा, “यह कहते हुए क्या हम सही नहीं थे कि तू सामरी है और तुझ पर कोई दुष्टात्मा सवार है?”

49	ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς,	Ἐγὼ	δαιμόνιον	οὐκ	ἔχω;	ἀλλὰ	τιμῶ	τὸν	Πατέρα
	उत्तर-दिया	यीशु-ने	मुझमें	दुष्टात्मा	नहीं	है।	परन्तु	आदर-करता-हूँ	-पिता	पिता
	G0611	G2424	G1473	G1140	G3756	G2192	G0235	G5091	G3588	G3962

μου,	καὶ	ὑμεῖς	ἀτιμάζετέ	με.
मेरे	और	तुम	अनादर-करते-हो	मेरा।
G1473	G2532	G4771	G0818	G1473

> यीशु ने उत्तर दिया, “मुझ पर कोई दुष्टात्मा नहीं है। बल्कि मैं तो अपने परम पिता का आदर करता हूँ और तुम मेरा अपमान करते हो।

50	ἐγὼ	δὲ	οὐ	ζητῶ	τὴν	δόξαν	μου;	ἔστιν	ὁ	ζητῶν	καὶ
	मैं	परन्तु	नहीं	चाहता	-महिमा	महिमा	मेरी।	है	-चाहनेवाला	चाहनेवाला	और
	G1473	G1161	G3756	G2212	G3588	G1391	G1473	G1510	G3588	G2212	G2532

κρίνων.
न्याय-करनेवाला।
G2919

> मैं अपनी महिमा नहीं चाहता हूँ पर एक ऐसा है जो मेरी महिमा चाहता है और न्याय भी करता है।

51	ἀμὴν	ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	ἐάν	τις	τὸν	ἐμὸν	λόγον	τηρήσῃ,	θάνατον	οὐ
	सच-सच	सच-सच	कहता-हूँ	तुमसे	यदि	कोई	-वचन	मेरे	वचन	माने	मृत्यु	नहीं
	G0281	G0281	G3004	G4771	G1437	G5100	G3588	G1699	G3056	G5083	G2288	G3756

μὴ	θεωρήσῃ,	εἰς	τὸν	αἰῶνα.
कभी	देखेगा	तक	-सदा	सदा।
G3361	G2334	G1519	G3588	G0165

> मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ यदि कोई मेरे उपदेशों को धारण करेगा तो वह मौत को कभी नहीं देखेगा।”

52	εἶπον	[οὖν]	αὐτῷ	οἱ	Ἰουδαῖοι,	Νῦν	ἐγνώκαμεν	ὅτι	δαιμόνιον	ἔχεις.
	कहा	तो	उससे	-यहूदियों-ने	यहूदियों-ने	अब	जान-गए	कि	दुष्टात्मा	है-तुझमें।
	G3004	G3767	G0846	G3588	G2453	G3568	G1097	G3754	G1140	G2192

Ἀβραὰμ	ἀπέθανεν,	καὶ	οἱ	προφῆται,	καὶ	σὺ	λέγεις,	Ἐάν	τις	τὸν
इब्राहीम	मर-गया	और	-भविष्यद्वक्ता	भविष्यद्वक्ता	और	तू	कहता-है	यदि	कोई	-वचन
G0011	G0599	G2532	G3588	G4396	G2532	G4771	G3004	G1437	G5100	G3588

λόγον	μου	τηρήσῃ,	οὐ	μὴ	γεύσηται	θανάτου,	εἰς	τὸν	αἰῶνα.
वचन	मेरा	माने	नहीं	कभी	चखेगा	मृत्यु	तक	-सदा	सदा।
G3056	G1473	G5083	G3756	G3361	G1089	G2288	G1519	G3588	G0165

> इस पर यहूदी नेताओं ने उससे कहा, “अब हम यह जान गये हैं कि तुम में कोई दुष्टात्मा समाया है। यहाँ तक कि इब्राहीम और नबी भी मर गये और तू कहता है यदि कोई मेरे उपदेश पर चले तो उसकी मौत कभी नहीं होगी।

53	μὴ	σὺ	μείζων	εἶ	τοῦ	πατρὸς	ἡμῶν	Ἀβραάμ,	ὅστις	ἀπέθανεν?	καὶ
	क्या	तू	बड़ा	है	-पिता	पिता	हमारे	इब्राहीम	जो	मर-गया?	और
	G3361	G4771	G3173	G1510	G3588	G3962	G1473	G0011	G3748	G0599	G2532

οἱ	προφῆται	ἀπέθανον!	τίνα	σεαυτὸν	ποιεῖς?
-भविष्यद्वक्ता	भविष्यद्वक्ता	मर-गए।	किसे	अपने-आपको	बनाता-है?
G3588	G4396	G0599	G5101	G4572	G4160

> निश्चय ही तू हमारे पूर्वज इब्राहीम से बड़ा नहीं है जो मर गया। और नबी भी मर गये। फिर तू क्या सोचता है? तू है क्या?”

54

ἀπεκρίθη	Ἰησοῦς,	Ἐὰν	ἐγὼ	δοξάσω	ἐμαυτόν,	ἡ	δόξα	μου	οὐδέν	ἐστιν;
उत्तर-दिया	यीशु-ने	यदि	मैं	महिमा-करूँ	अपनी	-महिमा	महिमा	मेरी	कुछ-नहीं	है।
G0611	G2424	G1437	G1473	G1392	G1683	G3588	G1391	G1473	G3762	G1510

ἔστιν	ὁ	Πατήρ	μου	ὁ	δοξάζων	με,	ὃν	ὑμεῖς	λέγετε	ὅτι,	Θεὸς
है	-पिता	पिता	मेरा	जो	महिमा-करता-है	मेरी	जिसे	तुम	कहते-हो	कि	परमेश्वर
G1510	G3588	G3962	G1473	G3588	G1392	G1473	G3739	G4771	G3004	G3754	G2316

ἡμῶν	ἐστιν.
हमारा	है।
G1473	G1510

> यीशु ने उत्तर दिया, “यदि मैं अपनी महिमा करूँ तो वह महिमा मेरी कुछ भी नहीं है। जो मुझे महिमा देता है वह मेरा परम पिता है। जिसके बारे में तुम दावा करते हो कि वह तुम्हारा परमेश्वर है।

55

καὶ	οὐκ	ἐγνώκατε	αὐτόν,	ἐγὼ	δὲ	οἶδα	αὐτόν;	κἂν	εἴπω	ὅτι	οὐκ
और	नहीं	जाना	उसे	मैं	परन्तु	जानता-हूँ	उसे।	यदि	कहूँ	कि	नहीं
G2532	G3756	G1097	G0846	G1473	G1161	G1492	G0846	G2579	G3004	G3754	G3756

οἶδα	αὐτόν,	ἔσομαι	ὅμοιος	ὑμῖν,	ψεύστης.	ἀλλὰ	οἶδα	αὐτὸν,	καὶ	τὸν	λόγον
जानता	उसे	होऊँगा	जैसे	तुम	झूठा।	परन्तु	जानता-हूँ	उसे	और	-वचन	वचन
G1492	G0846	G1510	G3664	G4771	G5583	G0235	G1492	G0846	G2532	G3588	G3056

αὐτοῦ	τηρῶ.
उसका	मानता-हूँ।
G0846	G5083

> तुमने उसे कभी नहीं जाना। पर मैं उसे जानता हूँ, यदि मैं यह कहूँ कि मैं उसे नहीं जानता तो मैं भी तुम लोगों की ही तरह झूठा ठहरूँगा। मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ, और जो वह कहता है उसका पालन करता हूँ।

56

Ἀβραὰμ	ὁ	πατὴρ	ὑμῶν	ἠγαλλιάσατο	ἵνα	ἴδῃ	τὴν	ἡμέραν	τὴν	ἐμήν,
इब्राहीम	-पिता	पिता	तुम्हारा	खुश-हुआ	कि	देखे	-दिन	दिन	-मेरा	मेरा
G0011	G3588	G3962	G4771	G0021	G2443	G3708	G3588	G2250	G3588	G1699

καὶ	εἶδεν	καὶ	ἐχάρη.
और	देखा	और	आनन्दित-हुआ।
G2532	G3708	G2532	G5463

> तुम्हारा पूर्वज इब्राहीम मेरा दिन को देखने की आशा से आनन्द से भर गया था। उसने देखा और प्रसन्न हुआ।”

57

εἶπον	οὖν	οἱ	Ἰουδαῖοι	πρὸς	αὐτόν,	Πεντήκοντα	ἔτη	οὔπω	ἔχεις,
कहा	तो	-यहूदियों-ने	यहूदियों-ने	से	उससे	पचास	वर्ष	अभी-तक	है-नहीं-तेरी
G3004	G3767	G3588	G2453	G4314	G0846	G4004	G2094	G3768	G2192

καὶ	Ἀβραὰμ	ἑώρακας?
और	इब्राहीम-को	देखा-है?
G2532	G0011	G3708

> फिर यहूदी नेताओं ने उससे कहा, “तू अभी पचास बरस का भी नहीं है और तूने इब्राहीम को देख लिया।”

58

εἶπεν	αὐτοῖς	Ἰησοῦς,	Ἀμὴν	ἀμὴν	λέγω	ὑμῖν,	πρὶν	Ἀβραὰμ	γενέσθαι,	ἐγὼ
कहा	उनसे	यीशु-ने	सच-सच	सच-सच	कहता-हूँ	तुमसे	पहले	इब्राहीम	हुआ	मैं
G3004	G0846	G2424	G0281	G0281	G3004	G4771	G4250	G0011	G1096	G1473

εἰμί.
हूँ।
G1510

> यीशु ने इस पर उनसे कहा, “मैं तुम्हें सत्य कहता हूँ। इब्राहीम से पहले भी मैं हूँ।”

59

ἦραν	οὖν	λίθους,	ἵνα	βάλωσιν	ἐπ’	αὐτόν;	Ἰησοῦς	δὲ	ἐκρύβη,	καὶ
उठाए	तो	पत्थर	कि	फेंकें	पर	उसपर।	यीशु	परन्तु	छिप–गया	और
G0142	G3767	G3037	G2443	G0906	G1909	G0846	G2424	G1161	G2928	G2532

ἐξῆλθεν	ἐκ	τοῦ	ἱεροῦ,	<διελθὼν	διὰ	μέσου	αὐτῶν,	καὶ	παρῆγεν	οὕτως>.
निकल–गया	से	–मन्दिर	मन्दिर	गुजरकर	से	बीच	उनके	और	चला–गया	इसी–तरह।
G1831	G1537	G3588	G2411	G1330	G1223	G3319	G0846	G2532	G3855	G3779

> इस पर उन्होंने यीशु पर मारने के लिये बड़े-बड़े पत्थर उठा लिये किन्तु यीशु छुपते-छुपाते मन्दिर से चला गया।